

महावीरा कृषि समाचार

YEAR 4 | EDITION 7

जुलाई, 2026

www.rmphosphates.com

एग्रीकल्चर

News:

खरीफ में बुवाई ने पकड़ी रफ्तार:

किसानों के बीच छाई खुशी की लहर

देशभर में खरीफ सीजन की बुवाई अब पूरे ज़ोरों-शोरों से चल रही है। समय पर हुई अच्छी मानसूनी बारिश ने किसानों का उत्साह बढ़ाया है, जिसके चलते धान, सोयाबीन, मक्का, मूंगफली, कपास और दलहनी फसलों की बुवाई तेजी से हो रही है। कई राज्यों में इस बार पिछले साल की तुलना में अधिक क्षेत्र में बुवाई की गई है, जो एक अच्छी और सकारात्मक शुरुआत मानी जा रही है।

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, यदि आने वाले हफ्तों में मानसून का साथ ऐसे ही बना रहा और किसानों को बीज, उर्वरक व अन्य जरूरी कृषि सामग्री समय पर मिलती रही, तो इस वर्ष खरीफ फसलों से अच्छी पैदावार मिलने की उम्मीद है। बेहतर उत्पादन से न केवल किसानों की आय में बढ़ोतरी होगी, बल्कि देश की खाद्यान्न व्यवस्था भी और मजबूत होगी।

किसानों के बीच
छाई खुशी की
लहर



विशेषज्ञों की सलाह है कि बुवाई के बाद फसल की शुरुआती देखभाल में कोई लापरवाही न करें। इस दौरान संतुलित पोषण दें, समय पर खरपतवार नियंत्रण करें और खेत में पर्याप्त नमी बनाए रखें। शुरुआत में किया गया सही प्रबंधन ही आगे चलकर अच्छी बढ़वार और बेहतर पैदावार की नींव रखता है।



टमाटर की उन्नत खेती के बारे में जानकारी -



भूमि एवं जलवायु

- टमाटर की खेती के लिए 20°C से 30°C तापमान उपयुक्त माना जाता है।
- अच्छी जल निकासी वाली दोमट या बलुई दोमट मिट्टी सर्वोत्तम मानी जाती है।
- मिट्टी का pH 6.0 से 7.5 होना चाहिए।
- जलभराव वाली भूमि में खेती करने से जड़ रोग बढ़ने की संभावना रहती है।

खेत की तैयारी

- खेत की 2-3 गहरी जुताई करें।
- मिट्टी को भुरभुरा एवं समतल बनाएं।
- अंतिम जुताई के समय 8-10 टन प्रति एकड़ अच्छी सड़ी हुई गोबर खाद या 300-400 किलो महावीरा सोलीवेरा मिलाएं।
- जल निकास की उचित व्यवस्था अवश्य रखें।



पौध तैयार करना एवं रोपाई

- केवल स्वस्थ एवं रोगमुक्त पौध का चयन करें।
- पौध की आयु लगभग 25-30 दिन होनी चाहिए।
- पौध से पौध की दूरी: 45-60 सेमी
- कतार से कतार की दूरी: 60-75 सेमी
- रोपाई के तुरंत बाद हल्की सिंचाई करें।

संतुलित पोषण के लाभ

- पौधों की जड़ें मजबूत बनती हैं।
- फूल और फल अधिक संख्या में लगते हैं।
- फल फटने की समस्या कम होती है।
- फलों का रंग, आकार और चमक बेहतर होती है।
- उत्पादन बढ़ता है और बाजार में बेहतर कीमत मिलने की संभावना रहती है।



सिंचाई प्रबंधन

- मिट्टी में पर्याप्त नमी बनाए रखें।
- जलभराव से बचें।
- फूल एवं फल बनने की अवस्था में सिंचाई नियमित करें।
- ड्रिप सिंचाई अपनाने से पानी की बचत एवं उत्पादन दोनों बढ़ते हैं।



खरपतवार नियंत्रण

- रोपाई के बाद पहले 40-45 दिन खरपतवार नियंत्रण अत्यंत आवश्यक है।
- समय-समय पर निराई-गुड़ाई करें।
- आवश्यकता अनुसार मल्लिंग का प्रयोग करें।



तुड़ाई एवं भंडारण

- फल हल्के लाल या गुलाबी अवस्था में तोड़ें।
- सुबह या शाम के समय तुड़ाई करें।
- फलों को सावधानीपूर्वक छाया में रखें।
- साफ एवं हवादार स्थान पर भंडारण करें।



खाद और उर्वरक खाद प्रबंधन

टमाटर की फसल में पोषक तत्वों का प्रबंधन (अनुशंसित उर्वरक की मात्रा - KG 72 :32 :60 : 20) प्रति एकड़

रोपण के समय आवेदन	गोबर की खाद			4-5 MT	Or	Solivera 300-400 Kg	
अवधि	Mahaveera Ziron Power Plus	MOP	Urea	Symtron	AMITRON-Z (Zinc + Amino Acid)	Boron	Baleco
	KG	KG	KG	KG	ML	GM	ML
रोपाई के समय	200	100	30	4	0	0	0
25-30 दिन बाद में	0	0	40	0	0	0	250
45-50 दिन बाद में	0	0	40	0	500	0	0
75-80 दिन बाद में	0	0	40	0	0	250	0
कुल मात्रा KG/GM/ML	200	100	150	4	500	250	250
जल घुलनशील उर्वरक 4-5 ग्राम /लीटर पानी में	45-50 दिन की अवधि में 12:61:00 का 50-55 दिन की अवधि में CN+B + 00:52:34 का तथा 80-85 दिन की अवधि में 13.00.45/ 00.00.50 का एक छिड़काव अवश्य करें						

गुणवत्ता पूर्ण उत्पादन के मुख्य बिंदु -

- प्रमाणित एवं रोगमुक्त पौध का उपयोग करें।
- संतुलित पोषण अपनाएँ।
- ड्रिप सिंचाई एवं मल्लिंग का उपयोग करें।
- रोग एवं कीटों का प्रारंभिक अवस्था में नियंत्रण करें।
- सूक्ष्म पोषक तत्वों का समय पर उपयोग करें।
- समय पर तुड़ाई एवं उचित भंडारण करें।

टमाटर की औसत उपज

- सामान्य (देसी) किस्में : 120-180 क्विंटल प्रति एकड़
- हाइब्रिड किस्में : 250-350 क्विंटल प्रति एकड़ (उचित प्रबंधन के साथ)



महावीरा एग्री एड्वाइज़री

टमाटर में अगेती झुलसा रोग (Early Blight) के लक्षण एवं उपाय बताए?

लक्षण:

- पत्तियों पर गोल भूरे धब्बे बनते हैं।
- धब्बों में छल्लेदार आकृति दिखाई देती है।
- पत्तियाँ धीरे-धीरे सूखने लगती हैं।

उपाय:

- रोगग्रस्त पत्तियों को हटाएँ।
- खेत में उचित वायु संचार बनाए रखें।
- मैनकोजेब या क्लोरोथालोनिल का छिड़काव करें।
- संतुलित पोषण अपनाएँ।



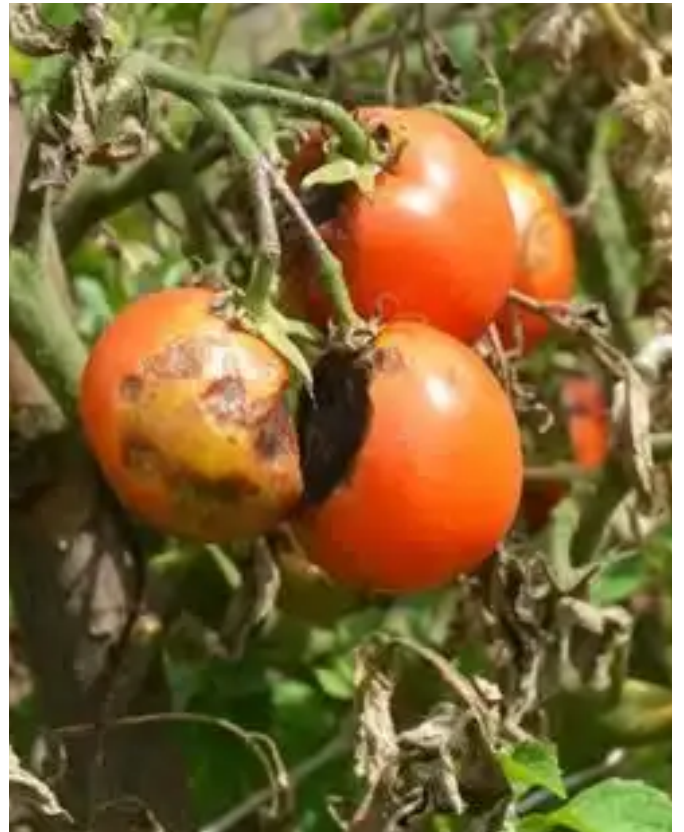
टमाटर में पछेती झुलसा (Late Blight) के लक्षण एवं उपाय बताए?

लक्षण:

- पत्तियों पर पानी से भीगे हुए धब्बे दिखाई देते हैं।
- अधिक नमी में सफेद फफूंद विकसित होती है।
- फल एवं तना भी संक्रमित हो सकते हैं।

उपाय:

- खेत में जलभराव न होने दें।
- संक्रमित पौधों को हटाएँ।
- कृषि विशेषज्ञ की सलाह अनुसार उपयुक्त फफूंदनाशी का छिड़काव करें।



टमाटर में फल छेदक कीट (Fruit Borer) के लक्षण एवं उपाय बताए?

लक्षण:

- इल्ली फल में छेद करके अंदर से गूदा खाती है।
- फलों में छोटे छेद दिखाई देते हैं।
- फल समय से पहले खराब होने लगते हैं।

उपाय:

- फेरोमोन ट्रैप लगाएँ।
- संक्रमित फलों को नष्ट करें।
- अनुशंसित कीटनाशकों का आवश्यकता अनुसार प्रयोग करें।



टमाटर में लीफ कर्ल वायरस (Leaf Curl Virus) के लक्षण एवं उपाय बताए?

लक्षण:

- पत्तियाँ ऊपर की ओर मुड़ जाती हैं।
- पौधों की वृद्धि रुक जाती है।
- फूल एवं फल कम लगते हैं।

उपाय:

- सफेद मक्खी का नियंत्रण करें।
- रोगग्रस्त पौधों को निकाल दें।
- पीले स्टिकी ट्रैप का उपयोग करें।
- आवश्यकता अनुसार कृषि विशेषज्ञ की सलाह से कीटनाशी का प्रयोग करें।





टमाटर बने
रसीले और लाल
ज़िरॉन पावर+
के साथ खेती हो
कमाल सालों साल



महावीरा यशोगाथा

संदीप कुमार
घरौंदा, करनाल
फसल- टमाटर
मोबाइल : 9813991317
प्रोडक्ट- महावीरा ज़िरोन



इस बार DAP उपलब्ध न होने के कारण मैंने अपनी टमाटर की फसल में महावीरा ज़िरोन का उपयोग किया। इसके इस्तेमाल से मुझे बहुत अच्छे परिणाम देखने को मिले। महावीरा ज़िरोन ने DAP की कमी को अच्छी तरह पूरा किया। पौधों का विकास शानदार रहा, फूटाव अच्छा हुआ और फलों की संख्या व गुणवत्ता दोनों में सुधार देखने को मिला।

मेरा अनुभव बहुत सकारात्मक रहा। मैं सभी किसान भाइयों से कहना चाहूंगा कि एक बार अपनी फसल में महावीरा ज़िरोन का उपयोग करके देखें। इसका रिजल्ट DAP के मुकाबले बहुत ही अच्छा है।

अभिषेक गुर्जर
सिराली, हरदा
फसल- मिर्ची
मोबाइल : 9926243199
प्रोडक्ट- महावीरा ज़िरोन



मैंने अपनी मिर्ची की फसल में महावीरा 11:11:08 का उपयोग किया था, जिसके परिणाम बहुत ही शानदार मिले। मैंने बेसल डोज़ में महावीरा ज़िरोन का भी इस्तेमाल किया, जिससे फसल की बढ़वार बेहतरीन हुई है। मेरी पूरी मिर्ची एक जैसी विकसित हुई है। किसी प्रकार की कमी या समस्या देखने को नहीं मिली। पौधों में शानदार फुटाव आया, मिर्ची की चमक बहुत अच्छी रही और नीचे से ऊपर तक पूरी फसल एक जैसी आई है और क्वालिटी भी शानदार है। मैं सभी किसान भाइयों से यही कहना चाहूंगा कि महावीरा ज़िरोन का उपयोग करें और अपनी फसल से अधिक उत्पादन के साथ बेहतर गुणवत्ता भी प्राप्त करें।



आर एम फॉस्फेट्स एण्ड केमिकल्स प्रा. लि.
आप सभी के लिए ले आया है अब

पहले से और भी ज्यादा शक्तिशाली उत्पाद!

